एक नजर में

मिलेनियम स्कूल को मिला एक्सीलेंस अवॉर्ड

गुना। जिले के प्रतिष्ठित मिलेनियम हायर सेकेंडरी स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के दम पर एक और गौरव हासिल किया है। विद्यालय को मध्य प्रदेश शासन की ओर से एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भोपाल में आयोजित भव्य एजुकेशन प्रोग्राम के दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विद्यालय के अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव, प्राचार्या वंदना श्रीवास्तव तथा मैनेजमेंट सदस्य कृपांश और रिद्धिमा श्रीवास्तव को प्रदान किया गया। मिलेनियम स्कूल पिछले 25 वर्षों से शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। विद्यालय की पहचान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षण पद्धति के लिए पूरे जिले में है। यहां से शिक्षा प्राप्त कई विद्यार्थी आज विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत होकर समाज की सेवा कर रहे हैं, जिससे विद्यालय का नाम प्रदेश स्तर पर भी रोशन हुआ है। सम्मान मिलने पर विद्यालय परिवार में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के निरंतर सहयोग को दिया। प्राचार्या वंदना श्रीवास्तव ने कहा कि यह सम्मान विद्यालय के लिए प्रेरणा है।

आरएसएस गुना में लगाएगा शिविर

गुना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गुना विभाग द्वारा सात दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जा रहा है। यह वर्ग 23 अगस्त की सायं से प्रारंभ होकर 31 अगस्त की प्रात: तक चलेगा। वर्ग का उद्देश्य स्वयंसेवकों में शारीरिक और बौद्धिक योग्यता का विकास करना तथा संघ कार्य को विस्तार और दृढ़ीकरण प्रदान करना है। वर्ग में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को पूर्ण गणवेश दंड सहित उपस्थित होना अनिवार्य होगा। इसमें सफेद पूरी बांह की जेब वाली कमीज़, संघ की पैंट, मोजे, काले बंद जूते, संघ का पट्टा, काली टोपी और लंगोट शामिल हैं। इसके साथ ही व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुएँ जैसे नेकर, चप्पल, थाली, कटोरी, गिलास, चम्मच, दरी, चादर, कपड़े, नहाने और कपड़े धोने का साबुन, मंजन, तेल, टार्च, पेन, डायरी और आवश्यक दवाइयाँ भी साथ लाना आवश्यक है। वर्ग में भाग लेने वालों को पूरे समय उपस्थित रहना होगा तथा बीच में से जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बमोरी ब्लॉक में ब्राह्मण समाज की नई कार्यकारिणी गठित

गुना। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज मध्यप्रदेश के विस्तार की कड़ी में बमोरी ब्लॉक की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन शर्मा पाटई तथा जिला अध्यक्ष पवन शर्मा की सहमति से यह कार्यकारिणी घोषित की गई। बमोरी ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में अमरुद के सरपंच राजू शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई, वहीं कार्यवाहक अध्यक्ष का दायित्व पराठ निवासी देवकीनंदन शर्मा को दिया गया। युवा अध्यक्ष के रूप में महू निवासी नीरज शर्मा और ब्लॉक महामंत्री के रूप में महू के मुरली शर्मा को नियुक्त किया गया। इसके अलावा बाबरोदा के श्याम शर्मा को भी कार्यकारिणी में शामिल किया गया। कार्यक्रम बमोरी में संपन्न हुआ, जहां प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन शर्मा और जिला अध्यक्ष पवन शर्मा ने नवगठित पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

रामपुर स्कूल में मिड-डे मील का काला सच

175 में से सिर्फ 50 बच्चों का बना खाना, थालियां धोने को मजबूर छात्र

नवभारत न्यूज

गुना 19 अगस्त. सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर पोषण देने के उद्देश्य से लागू की गई मध्याह्न भोजन योजना का हाल रामपुर के एकीकृत विद्यालय में खस्ताहाल है। योजना का जिम्मा मां शारदा स्व-सहायता समूह को सौंपा गया है, लेकिन संचालक की मनमानी के चलते बच्चे न केवल अधपेट खाना खाने को मजबूर हैं, बल्कि उन्हें थालियां धोने तक की नौबत आ रही है।

मंगलवार को नवभारत टीम जब बमोरी ब्लॉक के रामपुर स्थित विद्यालय पहुंची तो स्थिति बेहद चिंताजनक नजर आई। प्राचार्य ने मौजूद छात्रों की संख्या 175 बताई, जबकि हकीकत यह थी कि रसोई में केवल 50 बच्चों के लिए ही भोजन बनाया गया था। जब इस बारे में रसोइयों से पूछा गया तो उनका कहना था कि उन्हें उतनी ही सामग्री उपलब्ध कराई जाती है, जितनी एमडीएम संचालक और प्राचार्य की ओर से दी जाती है।

तीन बच्चों के बीच एक थाली

विद्यालय परिसर में बालिका छात्रावास की बच्चियां भी इसी समूह द्वारा परोसे गए भोजन पर निर्भर हैं। यहां स्थिति और भी खराब नजर आई। बच्चियों ने बताया कि स्कूल में पर्याप्त थालियां उपलब्ध नहीं हैं। कई बार तीन बच्चों को एक ही थाली में मिलकर खाना पड़ता है। खाने के बाद वही थालियां बच्चों से ही धुलवाई जाती हैं। यह नजारा देखकर साफ समझा जा सकता है कि जिस योजना का उद्देश्य बच्चों को सम्मानजनक और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना था, वहां अब यह योजना बच्चों के लिए बोझ और अपमान का कारण बन गई है।

योजना की बदहाली का जिम्मेदार कौन?

मध्याह्न भोजन योजना बच्चों के लिए पोषण और स्वास्थ्य सुधार का बड़ा माध्यम है। सरकार हर बच्चे के लिए पर्याप्त राशि और सामग्री उपलब्ध कराती है, लेकिन रामपुर जैसे विद्यालयों में समूह संचालकों की मनमानी से यह योजना अपने उद्देश्य से भटक गई है। छात्राओं ने बताया कि कभी भोजन समय पर नहीं मिलता, तो कभी मात्रा इतनी कम होती है कि उन्हें अधपेट ही कक्षा में लौटना पड़ता है।

जांच और कार्रवाई की जरूरत

इस पूरे मामले ने न केवल विद्यालय प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया है बल्कि समूह की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अभिभावकों और समाजजनों ने मांग की है कि शासन-प्रशासन इस मामले की जांच करे और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि बच्चों का भविष्य और स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

इनका कहना है

इस मामले में मैं कल बीआरसी को भेजकर जांच करूंगा। मौके पर खामी या कमी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

राजेश गोयल, जिला शिक्षा अधिकारी गुना

मध्यान भोजन की व्यवस्था गांव के मां शारदा समूह पर हे अनियमितताओं की जानकारी पूर्व में संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को दे गई है बच्चों की थाली धुलना समूह की जिम्मेवारी है पर वह ऐसा नहीं करते।

संजय मराठा, प्राचार्य रामपुर स्कूल

उत्कृष्ट विद्यालय गुना में कॅरियर काउंसलिंग का आयोजन

गुना। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गुना में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को भविष्य की राह चुनने के लिए उपयोगी मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दूरदर्शन के पूर्व निदेशक एस.के. सक्सेना और जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एस.के. सक्सेना ने छात्रों से कहा कि दसवीं और बारहवीं के बाद का समय जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट होता है। अगर विद्यार्थी सही दिशा, उचित योजना और मेहनत के साथ आगे बढ़ते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। उन्होंने एनडीए, यूपीएससी, एसएससी, पीएससी और अग्निवीर सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी विद्यार्थियों को दी और उनके सवालों का जवाब भी दिया। जिला रोजगार अधिकारी बी.एस. मीना ने सार्वजनिक, निजी क्षेत्र और स्वरोजगार योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, टूरिज्म और होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग, फिल्म और मीडिया इंडस्ट्री, पैरामेडिकल तथा हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। बी.एस. मीना ने करियर चयन के लिए तीन चीजों को आवश्यक बताया रुचि, योग्यता और क्षमता।

चेंबर ऑफ कॉमर्स गुना के सदस्यों का संसदीय अध्ययन दौरा

गुना। चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, गुना ने अपने सदस्यों के लिए तीन दिवसीय संसदीय अध्ययन एवं फैलोशिप टूर का आयोजन किया। इस ऐतिहासिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को भारतीय लोकतंत्र के केंद्र संसद भवन की कार्यप्रणाली और गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराना था। इस विशेष यात्रा का आयोजन केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पहल और अनुमति से संभव हो पाया। चेम्बर ने इसके लिए उनका आभार व्यक्त किया। यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण 13 अगस्त को संसद भवन का भ्रमण रहा। सदस्यों को इस लोकतांत्रिक मंदिर की अद्भुत वास्तुकला, ऐतिहासिक महत्व और परंपराओं को देखने व समझने का अवसर मिला।

संसद भ्रमण के अलावा सदस्यों ने दिल्ली के प्रसिद्ध अक्षरधाम मंदिर का भी दौरा किया, जहां उन्होंने

भव्य प्रदर्शनी और मनमोहक लाइट शो का आनंद लिया। साथ ही समूह ने दिल्ली के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर राजधानी की संस्कृति और विरासत को नजदीक से महसूस किया। इस यात्रा को सफल और यादगार बनाने में चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, गुना के अध्यक्ष जितेंद्र-कविता खुराना, सचिव विवेक-नूपुर सोनी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुलशन-नीना डाबर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके नेतृत्व में यात्रा न केवल व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई बल्कि सभी सदस्यों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन गई। यात्रा के दौरान प्रमुख सदस्यों में अमित-अमिता सोगानी, हरीश-विजया रात्रा, अनिल-नीलू सराफ, जगमोहन-हेमा बंसल, देवेंद्र-शांति रघुवंशी, गौरव-रेनू अग्रवाल, राजेश-सीमू गुप्ता, हरविंदर-नीलम खनूजा, बृजेश-सरोज रघुवंशी और विनीत-रत्ना सेठ शामिल रहे।

सभी ने एक स्वर में इस अवसर के लिए चेम्बर पदाधिकारियों का आभार जताया और इसे जीवनभर की यादगार यात्रा बताया।

नवाचार्य समय सागर महाराज पर अभद्र टिप्पणी से जैन समाज में आक्रोश

नवभारत न्यूज

गुना। पड़ोसी जिले अशोकनगर के एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान इस सदी के महानतम संत आचार्यश्री विद्यासागर महाराज और नवाचार्य समय सागर महाराज पर की गई अभद्र टिप्पणी ने पूरे देशभर की जैन समाज को आक्रोशित कर दिया है। मंगलवार को गुना में सकल दिगंबर जैन समाज गुना ने विरोध जताते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया और शाम को आक्रोशित युवाओं ने चौधरी मोहल्ला में संतोष जैन पटना का पुतला फूंककर अपना गुस्सा जाहिर किया।

पुतला दहन से पहले समाजजनों ने उस पर कालिख पोती और नारेबाजी की। जैन समाज ने इस कृत्य को धार्मिक भावनाओं पर गहरी चोट बताते हुए प्रशासन से कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जैन

समाज के अध्यक्ष संजय जैन कामिनी और महामंत्री अनिल जैन अंकल ने कहा कि इस सदी के महानतम आचार्यश्री राष्ट्रहित चिंतक विद्यासागरजी महाराज एवं नवाचार्य समय सागरजी महाराज के खिलाफ इस प्रकार अपमान समाज की आस्था पर सीधा प्रहार है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल जैन समाज का ही नहीं, बल्कि पूरे सनातन समाज का मामला है, क्योंकि संत परंपरा हमारी संस्कृति की रीढ़ है। मंगलवार शाम को बड़ी संख्या में जैन समाजजन चौधरी मोहल्ला में एकत्र हुए और आक्रोश होकर नारेबाजी कर संतोष पटना के पोस्टर पर कालिख पोती। इस दौरान समाजजनों ने अभद्र टिप्पणी करने वाले संतोष पटना, प्रमोद वारदाना, प्रशांत सानौधा सहित 10-12 लोगों पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। जैन समाज का कहना है कि 16 अगस्त को अशोकनगर में गंज मंदिर के पास आयोजित जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम के दौरान मंच से आचार्य विद्यासागर महाराज और आचार्य समय सागर महाराज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की गईं। समाज का कहना है कि मंच पर बैठे लोग इस कृत्य का समर्थन कर रहे थे, जिससे उनकी धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में समाजजनों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतले जलाए और ज्ञापन सौंपे।

गुना में भी मंगलवार को आक्रोशित समाजजन काले कपड़ों में चौधरी मोहल्ला स्थित संत साला पर एकत्र हुए और संतोष जैन पटना का पुतला दहन किया। इस दौरान समाजजनों ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी करने की मांग की।

जनसुनवाई में कलेक्टर कन्याल ने दी तीन मरीजों को आर्थिक सहायता

गुना। जनसुनवाई के दौरान जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने संवेदनशील पहल करते हुए मंगलवार को तीन प्रकरणों में कुल 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। यह राशि रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से चेक के रूप में मरीजों और उनके परिजनों को प्रदान की गई। पहले प्रकरण में ग्राम पीताखेड़ी निवासी भारत सिंह पुत्र संग्राम सिंह यादव ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उसके पुत्र प्रमोद यादव का इलाज भोपाल स्थित एमएस हॉस्पिटल में आयुष्मान कार्ड से होना है, लेकिन यात्रा, भोजन और रहने के खर्च के लिए परिवार के पास पैसे नहीं हैं। कलेक्टर कन्याल ने बच्चे के उपचार को ध्यान में रखते हुए तत्काल रेडक्रॉस से 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर चेक माता-पिता को सौंपा। दूसरे प्रकरण में वार्ड क्रमांक 06 कर्नलगंज निवासी ब्रजमोहन चौरसिया पुत्र तोरन सिंह चौरसिया ने बताया कि वह कैंसर से पीड़ित हैं और लंबे समय से इलाज करवा रहे हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण दवाओं और उपचार का खर्च उठाना मुश्किल हो रहा है। इस पर कलेक्टर ने संवेदनशीलता दिखाते हुए 10 हजार रुपये की सहायता राशि उनकी पत्नी को चेक के रूप में दी। तीसरे प्रकरण में श्रीराम सेन ने इलाज हेतु आर्थिक मदद की मांग की। कलेक्टर कन्याल ने उनके आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए 5 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की और चेक सौंपा।

जंगल कटाई और अतिक्रमण की भी शिकायत

जनसुनवाई में उमड़ी फरियादें : मजदूरों का वेतन विवाद, बारिश से मकान ढहने की त्रासदी

नवभारत न्यूज

गुना 19 अगस्त. कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को जिलेभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपनी-अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं। इस दौरान मजदूरों ने समय पर वेतन न मिलने पर हड़ताल और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई, वहीं रसीद कॉलोनी की महिलाओं ने बारिश में मकान ढहने से बेघर होने पर शासन से मुआवजा दिलाने की गुहार लगाई।

जनसुनवाई में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने तीन गंभीर मरीजों को रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। दूसरी ओर ग्राम पीपलखेड़ा के ग्रामीणों ने टांडा जंगल में हो रही अवैध कटाई और अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराते हुए वन विभाग और पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। इसी तरह नजूल कॉलोनी वार्ड क्रमांक 18 के लोगों ने रास्ते पर अतिक्रमण और

कच्ची लैट्रिन से फैल रही गंदगी की समस्या बताकर तत्काल समाधान की मांग की।

बारिश से मकान ढहने पर महिलाओं ने मांगा मुआवजा, कलेक्टर को सौंपा आवेदन

वहीं रसीद कॉलोनी वार्ड क्रमांक 25 की महिलाओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा और शासन से मुआवजा राशि दिलाने की मांग की। आवेदिकाओं ने बताया कि बारिश के कारण उनके मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं और मकान में रखा पूरा सामान भी पानी में बह गया है, जिससे वे परिवारजन खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। आवेदन में बताया गया कि प्रभावित महिलाओं में ओमवती पति राजेश अहिरवार, गुददीबाई पति बाबूलाल कुशवाह, वर्षा पति गोलू जाटव, गीता पति मुन्ना जाटव, विमलाबाई पति प्रीतम जाटव, भगवत पत्नि मीनाबाई अहिरवार, शीतल पति शिशुपाल कुशवाह, राजनंदिनी पति नीरज अहिरवार, प्रेमबाई पति गोविंद बंजारा, राजो पति मनोज अहिरवार, भबरीबाई, नगीनाबाई, सुनीताबाई पति हरलाल जाटव, रानी शबनम पत्नि शरीफ खान, गुड्डीबाई पति शैतानसिंह जाटव, शीलाबाई पति महेंद्र कुशवाह, गुड्डी पति कोमल अहिरवार, किरण पति अजबसिंह कुशवाह सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं। सभी ने मिलकर निवेदन किया कि उनका जीवनयापन पूरी तरह संकट में आ गया है। बारिश से हुए नुकसान की भरपाई शासन द्वारा शीघ्र की जाए और प्रत्येक प्रभावित परिवार को उचित मुआवजा राशि प्रदान की जाए। महिलाओं ने प्रशासन से मांग की कि उनकी समस्या पर प्राथमिकता से विचार कर राहत राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपने परिवारों को दोबारा संभाल सकें।

वेतन न मिलने से मजदूर हड़ताल पर

जिले के एनएफएल विजयपुर में कार्यरत मजदूरों ने ठेकेदार पर समय पर वेतन न देने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में श्रम पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मजदूरों ने बताया कि द इमरल इलेक्ट्रिकल्स कंपनी के ठेकेदार प्रदीप कपूर द्वारा मई, जून 2025 के ओवरटाइम और जुलाई माह के वेतन का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। इस वजह से वे लंबे समय से आर्थिक संकट झेल रहे हैं। आवेदकों ने कहा कि पिछले एक वर्ष से लगातार उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा। सामान्यत:7 तारीख को वेतन का भुगतान होना चाहिए, लेकिन उन्हें 20 से 30 तारीख के बीच वेतन दिया जाता है। कई बार मजदूरों ने एनएफएल प्रबंधन को भी इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन वहां से भी उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला।वेतन न मिलने की समस्या से परेशान होकर 65 मजदूरों ने 18 अगस्त से काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है। मजदूरों का कहना है कि जब तक उनका बकाया वेतन और ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया जाता, वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। ज्ञापन में मजदूरों ने श्रम पदाधिकारी से अनुरोध किया है कि उनकी मांग को गंभीरता से लिया जाए और ठेकेदार द्वारा लंबित वेतन का भुगतान तुरंत सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

नजूल कॉलोनी में रास्ते पर अतिक्रमण, आठ माह से परेशान हैं

इसी तरह वार्ड क्रमांक 18 नजूल कॉलोनी पानी की टंकी के पास रहने वाले नागरिक पिछले आठ महीनों से रास्ते पर हुए अतिक्रमण और घरों के सामने बनी कच्ची लैट्रिन से परेशान हैं। इस संबंध में उन्होंने कई बार जिला प्रशासन को आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। निवासियों का कहना है कि रास्ते पर नाली खोदकर आवागमन बंद करने की कोशिश की जा रही है, वहीं अतिक्रमण कर गाड़ी खड़ी कर दी जाती है जिससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा घरों के सामने बनी कच्ची लैट्रिन से क्षेत्र में

गंदगी फैल रही है और दुर्गंध के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय नागरिक रिकू दुबे और पुरुषोत्तम बाबू सेन ने बताया कि प्रशासन से बार-बार शिकायत करने और कलेक्टर द्वारा आदेश दिए जाने के बावजूद अधिकारियों ने सिर्फ आश्वासन दिया है। अब स्थिति यह है कि वह रास्ते को पूरी तरह बंद करने पर आमादा हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है ताकि रास्ता पुन: चालू हो सके। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो उन्हें सामूहिक आंदोलन करना पड़ेगा।

टांडा जंगल में अवैध कटाई और अतिक्रमण की शिकायत

इस मौके पर राघौगढ़ विकासखंड के ग्राम पीपलखेड़ा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देकर टांडा जंगल में हो रही अवैध कटाई और अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले दो से तीन महीनों से अज्ञात लोग जंगल से सागौन के पेड़ों की लगातार कटाई कर रहे हैं और लकड़ी को खुलेआम बाजार में बेचा जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह जंगल वन परिक्षेत्र मधुसूदनगढ़ और वन चौकी उकावद के अंतर्गत आता है। ग्रामीणों ने कई बार वन विभाग और पुलिस प्रशासन को इस अवैध गतिविधि की सूचना दी,

लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा शिकायत करने पर ग्रामीणों पर ही दबाव बनाया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि लकड़ी तस्कर दिनदहाड़े मोटरसाइकिल पर सागौन की लकडियां बांधकर ले जाते हैं और वन विभाग मूकदर्शक बना रहता है। ग्रामीणों ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि अब जब जंगल का बड़ा हिस्सा पेड़ रहित हो गया है, तो कुछ अज्ञात लोग वहां झोपडियां बनाकर अतिक्रमण करने का प्रयास कर रहे हैं। जब ग्रामीण इसका विरोध करने जाते हैं, तो उन पर हमले की कोशिश की जाती है। ग्राम पीपलखेड़ा के सरपंच श्यामलाल श्यामवत सहित ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि वन विभाग और पुलिस प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं ताकि जंगल की शेष बची हरियाली सुरक्षित रहे और अतिक्रमण रोका जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो जंगल पूरी तरह खत्म हो जाएगा और आने वाली पीढियों के लिए हरे-भरे जंगल केवल यादें बनकर रह जाएंगे।